


પાઠ-૩

ચાર અનુયોગ

પ્રકાશ છાબડા, યંગ જૈન સ્ટડી ગ્રુપ, ઇન્દોર

 99260-40137



अनुयोग किसे कहते है?

ॐ जिनवाणी (शास्त्र) की कथन
करने की विधि / शैली को



अनुयोग कितने हैं?

चार

प्रथमानुयोग

चरणानुयोग

करणानुयोग

द्रव्यानुयोग



प्रथमानुयोग में किसका वर्णन है?

❧महापुरुषों के चरित्रों द्वारा

❧पुण्य-पाप के फल का वर्णन कर

❧अंत में वीतरागता को हितकर
बताया है

चारित्र
ग्रंथ



एक
महापुरुष
की कथा

पुराण
ग्रंथ



अनेक
महापुरुषों
की कथा

कथाओं के माध्यम से क्या वर्णन किया जाता है ?

❧जैसे-

❧बालक को

❧पतासे में

❧दवा

❧वैसे-

❧तुच्छ बुद्धि रागी जीवों को

❧कथाओं के माध्यम से

❧धर्म की रुचि कराकर

❧वैराग्य का पोषण करना

करणानुयोग में किसका वर्णन है ?

❧ अशुद्ध जीव के गुणस्थान,
मार्गणस्थानादि का

❧ कर्मों का

❧ त्रिलोक की रचना का

चरणानुयोग में
किसका वर्णन है ?

आचरण का

श्रावक के

मुनि के

द्रव्यानुयोग में किसका वर्णन है?

वस्तु
व्यवस्था

षट् द्रव्य, सात तत्त्व

अध्यात्म

स्व-पर भेद विज्ञान

किस अनुयोग में सूक्ष्म और किसमें स्थूल वर्णन है?

सूक्ष्म

(केवलज्ञान गम्य)

करणानुयोग

स्थूल

(बुद्धि गोचर)

प्रथमानुयोग

चरणानुयोग(बाह्य क्रिया की मुख्यता)

द्रव्यानुयोग(आत्म-परिणामों की मुख्यता)

चारों अनुयोग में अंतर

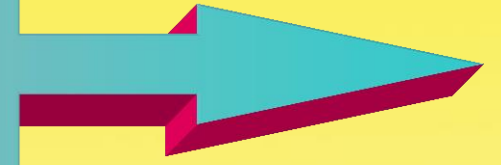


किसका वर्णन है ?

प्रथमानुयोग	करणानुयोग	चरणानुयोग	द्रव्यानुयोग
महापुरुषों के चरित्र का	अशुद्ध जीव, कर्म और तीनलोक का	आचरण का	तत्त्वों का

ॐ चारों अनुयोगों में सर्वत्र वीतरागता का ही
पोषण होता है

किस पद्धति की मुख्यता?



प्रथमानुयोग

करणानुयोग

चरणानुयोग

द्रव्यानुयोग

अलंकार,
छंद,
व्याकरण

गणित (गणना
और नाप का
वर्णन)

सुभाषित
नीति

न्याय
(तत्त्व निर्णय की
मुख्यता । निर्णय
युक्ति-न्याय बिना
नहीं होता है)

इन विषयों का ज्ञान होने पर उस अनुयोग
का अभ्यास सुगमता से होता है

भाषा किस प्रकार की?

प्रथमानुयोग	करणानुयोग	चरणानुयोग	द्रव्यानुयोग
“ऐसा था”	“ऐसा होगा तो ऐसा होगा”	“ऐसा करना चाहिये”	“ऐसा है”

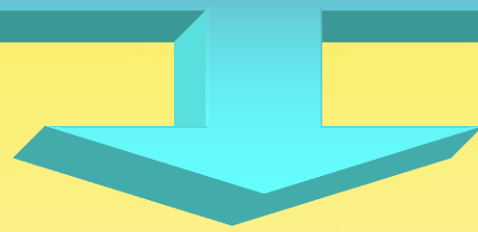


किसका लक्ष्य ?

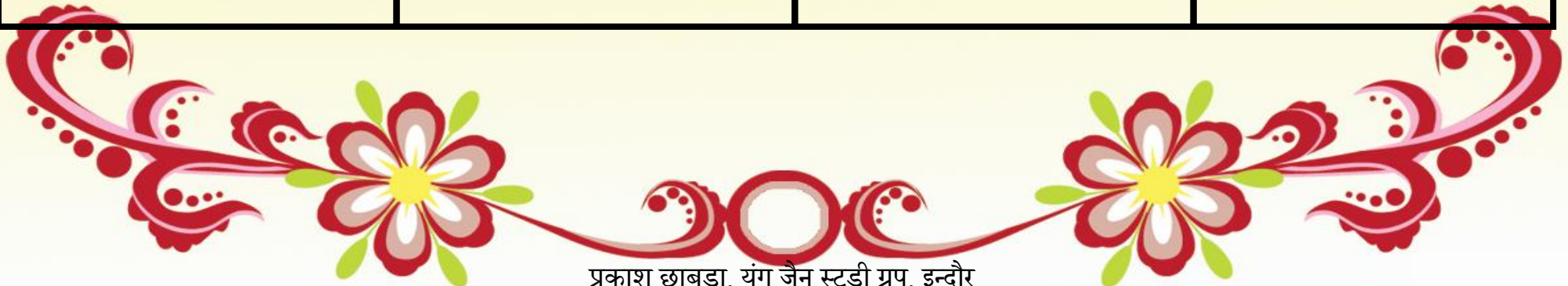
प्रथमानुयोग	करणानुयोग	चरणानुयोग	द्रव्यानुयोग
उदाहरण	परिणाम	क्रिया	अभिप्राय



कितनी अनिवार्यता/ उपयोगिता



प्रथमानुयोग	करणानुयोग	चरणानुयोग	द्रव्यानुयोग
हठी मिथ्यादृष्टि के लिए उपयोगी	धर्म में वृद्धि के लिए	धर्म में वृद्धि के लिए	अनिवार्य



प्रथमानुयोग के शास्त्र

❧ पद्म पुराण

❧ श्रेणिक चरित्र

❧ आदि पुराण

❧ श्रीपाल चरित्र

❧ उत्तर पुराण

❧ प्रद्युम्न चरित्र

❧ हरिवंश पुराण

❧ जम्बुकुमार चरित्र

करणानुयोग के शास्त्र

❧ जीवकाण्ड

❧ कर्मकाण्ड

❧ लब्धिसार

❧ क्षपणासार

❧ त्रिलोकसार

चरणानुयोग के शास्त्र

❧ रत्नकरण्ड श्रावकाचार

❧ पुरुषार्थसिद्धिउपाय

❧ आत्मानुशासन

❧ मूलाचार

❧ सागार - अनगार धर्माभृत

द्रव्यानुयोग के शास्त्र

❧ समयसार

❧ प्रवचनसार

❧ नियमसार

❧ अष्टपाहुड

❧ बृहद् द्रव्यसंग्रह

जैन धर्म की परिपाटी

ॐ पहले द्रव्यानुयोग अनुसार सम्यग्दृष्टि हो

ॐ फिर चरणानुयोग अनुसार व्रतादि धारण कर व्रती
हो

ॐ इसलिये मुख्यरूप से निचली दशा में द्रव्यानुयोग
कार्यकारी है

अनुयोगों के अभ्यास का क्रम

ॐ अपने परिणामों की अवस्था देखकर

ॐ जिससे अपनी धर्म में रुचि और प्रवृत्ति
बढ़े उसी का अभ्यास करें

ॐ या फेर - बदलकर अभ्यास करना चाहिये

